सितंबर 2020

1. उत्तर प्रदेश सरकार ने यू-राइज पोर्टल लॉन्च किया

- हाल ही में, उत्तर प्रदेश सरकार ने **यू-राइज' (यूनिफाइड रि-इमेजिनेटेड इनोवेशन फॉर स्टूडेंट एम्पावरमेंट) पोर्टल** लॉन्च किया है।
- यह छात्रों को राज्य में लर्निंग, कैरियर काउंसलिंग और रोजगार प्राप्त करने जैसे विभिन्न पहलुओं में मार्गदर्शन करेगा।
- यह पोर्टल **डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय** द्वारा विकसित किया गया है।
- इस पोर्टल को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने **24** सितंबर, **2020** को लखनऊ में लॉन्च किया था।
- यह कार्यक्रम छात्रों को व्यावहारिक और तकनीकी ज्ञान से जोड़ेगा।
- यह अनुमान है कि **20** लाख छात्र और अन्य तकनीकी (व्यावसायिक और तकनीकी शिक्षा में लिप्त) विशेषज्ञों को इस पोर्टल से लाभ मिलेगा।
- इस पोर्टल की मदद से छात्र ई-कंटेंट, ई-लाइब्रेरी, और ऑनलाइन पाठ्यक्रमों को राज्य के दूरस्थ क्षेत्रों में भी एक्सेस कर सकते हैं ।
- यह पोर्टल छात्रों के लिए भी सहायक है, क्योंकि यह ऑनलाइन परीक्षा, डिजिटल मूल्यांकन, डिजिटल सामग्री, इंटर्नशिप, डिजिटल परीक्षा पत्र, वेबिनार, ई-लाइब्रेरी, रिकॉर्ड की गई वीडियो सामग्री के साथ-साथ रोजगार की जानकारी प्रदान करता है।

2. उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण नीति

- इस नीति को पांच वर्षों में **40,000** करोड़ रुपये के निवेश के लिए शुरू किया गया है।
- यह बुंदेलखंड और पूर्वांचल के पिछड़े क्षेत्रों में भी विकास सुनिश्चित करेगा।

Gradeup UP State Exams Super Subscription | Access to all Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

- इस नीति का उद्देश्य उत्तर प्रदेश को एक वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स हब बनाना है।

मुख्य विशेषताएं

- इस नीति के माध्यम से,वह राज्य सरकार इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण में **MSME** इकाइयों को बढ़ावा देगी।
- यह **"प्लग एंड प्ले" मॉडल** पर रेंटल सुविधाओं के माध्यम से प्राप्त किया जाना है।
- उत्तर प्रदेश सरकार तीन इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्लस्टर स्थापित करेगी।
    - ये क्लस्टर चिकित्सा उपकरणों, उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं, मोबाइल फोन, रक्षा उपकरणों और आईटी हार्डवेयर इत्यादि के निर्माण पर ध्यान केंद्रित करेंगे।
- इस नीति में इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम डिजाइन और विनिर्माण में उत्कृष्टता केंद्र, नवाचार और उद्यमिता के माध्यम से विश्व स्तरीय बुनियादी ढाँचा बनाने की भी परिकल्पना की गई है।
- निवेशक **15%** की पूंजीगत सब्सिडी के लिए पात्र होंगे। **1,000** करोड़ रुपये से अधिक के निवेश के लिए, **10%** की अतिरिक्त पूंजी सब्सिडी प्रदान की जानी है।

3. सहारनपुर जिले से खोजे गए स्टीगोडन जीवाश्म

- यह अनुमान है कि जीवाश्म **5** से **8** मिलियन वर्ष पुराना हो सकता है।
- यह जीवाश्म **तलछटी चट्टान-सैंडस्टोन** में एम्बेडेड था ।
- स्टेगोडन फॉसिल ने अपनी सतह पर नौ अच्छी तरह से विकसित लकीरें खोजीं।
- मोलर की तामचीनी बहुत मोटी है जबकि मोलर की लंबाई लगभग **24** सेंटीमीटर है।
- ध्यात्वय है कि बलुआ पत्थर की प्रकृति मध्य सिवालिक रेंज की विशेषताओं को दर्शाती है क्योंकि जीवाश्म जो जीवाश्म पर एम्बेडेड है मध्यम दानेदार है।

Gradeup UP State Exams Super Subscription | Access to all Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

4. उत्तर प्रदेश के बाराबंकी में जैविक खाद्य प्रसंस्करण इकाई का उद्घाटन

- हाल ही में, उत्तर प्रदेश के बाराबंकी में जैविक खाद्य प्रसंस्करण इकाई की स्थापना की गई है।
- इस इकाई से क्षेत्र के लगभग **5000** किसानों को लाभ मिलेगा।
- उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश ने बाराबंकी को अपनी एक जनपद, एक उत्पात योजना के तहत खाद्य प्रसंस्करण केंद्र के रूप में नामित किया है।
- उत्तर प्रदेश राज्य में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र की क्षमता है और कृषि कच्चे माल के आधार और कृषि जलवायु विशेषताओं की इसकी विविध टोकरी खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के विकास के लिए आवश्यक मंच प्रदान करती है।

Gradeup UP State Exams Super Subscription | Access to all Structured Courses & Test Series ENROL NOW